भारत सरकार
सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2893
06.08.2025 को उत्तर देने के लिए

देश में बेरोजगारी

2893. श्री राजीव रायः

क्या सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत तीन वर्षों के दौरान ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में श्रम बल में व्यक्तियों की वर्ष-वार संख्या कितनी है;

(ख) वर्ष 2016 से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में रोजगार कार्यालयों में नामांकित बेरोजगार, काम करने के इच्छुक और सक्रिय रूप से नौकरी चाहने वाले लोगों की वर्ष-वार संख्या कितनी है;

(ग) विगत तीन वर्षों में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में बेरोजगार, काम करने के इच्छुक लेकिन नौकरी की तलाश में निष्क्रिय व्यक्तियों की संख्या वर्ष-वार कितनी है;

(घ) विगत तीन वर्षों में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में अल्प-रोजगार, छोटे मोटे कार्यों से जुड़े और हतोत्साहित श्रमिकों की वर्ष-वार संख्या कितनी है; और

(ङ) विगत तीन वर्षों में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में पूर्णकालिक, अंशकालिक रूप से नियोजित व्यक्तियों की अलग-अलग वर्ष-वार संख्या कितनी है?

उत्तर

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), योजना मंत्रालय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा संस्कृति मंत्रालय राज्य मंत्री [राव इंद्रजीत सिंह]

(क) से (ङ): सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (सां.और कार्य.कार्यां.मंत्रा) के तहत राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) देश में रोजगार और बेरोजगारी की स्थिति से संबंधित विभिन्न संकेतकों का अनुमान लगाने के लिए वर्ष 2017 से आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) आयोजित कर रहा है। पीएलएफएस प्रमुख रोजगार और बेरोजगारी संकेतकों जैसे श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर), श्रमिक जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर), बेरोजगारी दर (यूआर) आदि का अनुमान देता है।

जुलाई 2021- जून 2022 से जुलाई 2023- जून 2024 की अवधि के दौरान आयोजित पीएलएफएस से, ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के लिए सामान्य स्थिति (पीएस+एसएस) में श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) के अनुमान नीचे दी गई तालिका में दिए गए हैं:

पीएलएफएस 2021-22, 2022-23 और 2023-24 से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सामान्य स्थिति (पीएस+एसएस) के अनुसार श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) (प्रतिशत में)

अखिल भारतीय

सर्वेक्षण (वर्ष)	सामान्य स्थिति (पीएस+एसएस) के अनुसार एलएफपीआर (प्रतिशत में)	
	ग्रामीण क्षेत्र	शहरी क्षेत्र
पीएलएफएस, 2021-22	42.2	39.0
पीएलएफएस, 2022-23	43.4	39.8
पीएलएफएस, 2023-24	46.8	41.0

स्रोत: वार्षिक रिपोर्ट, पीएलएफएस, 2023-24

नोट: 2023-24 जुलाई 2023 - जून 2024 की अवधि को संदर्भित करता है, इसी प्रकार 2022-23 और 2021-22 के लिए भी

जुलाई 2017- जून 2018 से जुलाई 2023- जून 2024 की अवधि के दौरान आयोजित आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) से, ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के लिए सामान्य स्थिति (पीएस+एसएस) में बेरोजगारी दर (यूआर) के अनुमान नीचे तालिका में दिए गए हैं:

पीएलएफएस से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सामान्य स्थिति (पीएस+एसएस) के अनुसार बेरोजगारी दर (यूआर) (प्रतिशत में)

अखिल भारतीय

सर्वेक्षण (वर्ष)	सामान्य स्थिति (पीएस+एसएस) के अनुसार यूआर (प्रतिशत में)	
	ग्रामीण क्षेत्र	शहरी क्षेत्र
पीएलएफएस, 2017-18	5.3	7.8
पीएलएफएस, 2018-19	5.0	7.7
पीएलएफएस, 2019-20	4.0	7.0
पीएलएफएस, 2020-21	3.3	6.7
पीएलएफएस, 2021-22	3.3	6.3
पीएलएफएस, 2022-23	2.4	5.4
पीएलएफएस, 2023-24	2.5	5.1

स्रोत: वार्षिक रिपोर्ट, पीएलएफएस, 2023-24

नोट: 2023-24 जुलाई 2023 से जून 2024 तक की अवधि को संदर्भित करता है, इसी प्रकार 2022-23, 2021-22, 2020-21, 2019-20, 2018-19 और 2017-18 के लिए भी।

जुलाई 2021- जून 2022 से जुलाई 2023- जून 2024 की अवधि के दौरान किए गए आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) से, ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के लिए सामान्य स्थिति (पीएस+एसएस) में श्रमिक जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) के अनुमान और ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में रोजगार की स्थिति के अनुसार सामान्य स्थिति (पीएस+एसएस) में श्रमिकों का प्रतिशत वितरण नीचे दी गई तालिकाओं में दिया गया है:

पीएलएफएस 2021-22, 2022-23 और 2023-24 से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सामान्य स्थिति (पीएस+एसएस) के अनुसार श्रमिक जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) (प्रतिशत में)

अखिल भारतीय

सर्वेक्षण (वर्ष)	सामान्य स्थिति (पीएस+एसएस) के अनुसार डब्ल्यूपीआर (प्रतिशत में)	
	ग्रामीण क्षेत्र	शहरी क्षेत्र
पीएलएफएस, 2021-22	40.8	36.6
पीएलएफएस, 2022-23	42.3	37.7
पीएलएफएस, 2023-24	45.6	38.9

स्रोत: वार्षिक रिपोर्ट, पीएलएफएस, 2023-24

नोट: 2023-24 जुलाई 2023 - जून 2024 की अवधि को संदर्भित करता है, इसी प्रकार 2022-23 और 2021-22 के लिए भी

पीएलएफएस 2021-22, 2022-23 और 2023-24 से ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में रोजगार की स्थिति के अनुसार सामान्य स्थिति (पीएस+एसएस) में श्रमिकों का प्रतिशत वितरण

अखिल भारतीय

सर्वेक्षण (वर्ष)	ग्रामीण क्षेत्रों में सामान्य स्थिति (पीएस+एसएस) में श्रमिकों का प्रतिशत वितरण		
	स्व-नियोजित	नियमित मजदूरी/वेतन	दिहाडी श्रमिक
पीएलएफएस, 2021-22	61.5	12.5	25.9
पीएलएफएस, 2022-23	63.0	12.2	24.8
पीएलएफएस, 2023-24	64.7	12.7	22.5

सर्वेक्षण (वर्ष)	शहरी क्षेत्रों में सामान्य स्थिति (पीएस+एसएस) में श्रमिकों का प्रतिशत वितरण		
	स्वनियोजित	नियमित मजदूरी/वेतन	दिहाडी मजदूरी
पीएलएफएस, 2021-22	39.5	47.1	13.4
पीएलएफएस, 2022-23	39.6	48.0	12.4
पीएलएफएस, 2023-24	40.4	47.5	12.1

स्रोत: वार्षिक रिपोर्ट, पीएलएफएस, 2023-24

नोट: 2023-24 जुलाई 2023 से जून 2024 तक की अवधि को संदर्भित करता है, इसी प्रकार 2022-23 और 2021-22 के लिए भी।

*****